अपनो से अपनी बात...!

जीवन कभी नहीं ठहरता, मानव प्रगतिशील है हम हमारे ज्ञान से, हमारे आत्मबल से समस्या का समाधान खोज ही लेते है, हमारे जीवन में कई ऐसे क्षण आते हैं जब लगता है सब खत्म हो रहा है, जब क्रूर शासक ने पृथ्वी पर नरसंहार कर मानव व मानवता का नाश किया था उन विपरित परिस्थिति में भी कभी किसी से अपेक्षा नहीं छोड़ी व नकारात्मक स्थितियों से निकलने हेतु सभी ने अपने स्तर पर प्रयास किया-चाहे व कंस के काल में हो या चंगेज खान के समय मे हो क्रूर व उनके असूर वृति का अंत अवश्य हुआ है और सभी का सामुहिक प्रयासो के परिणाम से समस्या पर विजय हुये है।

इसी प्रकार के सामूहिक प्रयासो से हम पर्व मे विजय हुये है और आने वाले समय में होंगे जब सकंट बडा हैं तो संघर्ष भी अपेक्षित होगा, कोरोना वायरस के उपचार के लिये शोध चल रहे है सभी प्रयत्न कर रहे है, और इन प्रयत्नो का परिणाम जल्दी ही हमारे सामने होगा।

बीते कुछ समय में कोरोना के कारण हम सभी के जीवन पर काफी प्रभाव हुआ है साथ ही हमें आर्थिक, सामाजिक, मानसिक वेदना का सामना करना पड़ा है यह कहना गलत नहीं होगा कि हमें इस समय समस्या का सामना करने व इस पर विजय होने के लिये कई परिवर्तन अपने नित्य जीवन में करने पे है व आने वाले समय में करना भी होगा तभी हम सशक्त व स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकेंगे।

इस हेतु नूतन वर्ष के आरम्भ पर हम समस्याओ के शमन के लिये व सुमंगलमय गृहस्थ जीवन और सद्गुरूदेव के शुभ आर्शीवाद के साथ इस वर्ष का स्वागत करें ताकि हमे पिछले वर्ष कि भाति कष्ट-पीड़ायें अवसाद झेलना न पडे। साथ ही पिछला वर्ष सभी ने डर, भय व स्वयं के स्वस्थ व अकाल मृत्यु के भय में गुजारा, एवं हमें कार्य, व्यापार रोजगार की हानि हुई व धन के अभाव, मानसिक चिन्ताओं से घिरे रहे। अतः यह आवश्यक हो जाता हैं कि इन सभी न्यूनताओं का अंत हो व हम त्रिमूर्ति स्वरूप साधक-सद्गुरूदेव-दैवीय शक्तियों के संयुक्त शक्ति व साधनात्मक तप से नववर्ष 2021 को पूर्णता से सुमंगलमय बनाये।

नववर्ष कि नवनिधि पर हम अपने जीवन के विकारो को मिटाकर स्वस्थ व समृद्ध वर्ष का निर्माण करें इस हेतु आप कैलाश सिद्धाश्रम से **पूर्ण चैतन्य राज राजेश्वरी सुमंगलमय सौभाग्य प्राप्ति दीक्षा** व **साधना सामग्री** प्राप्त करें।

मैं यह विश्वास के साथ कि वर्ष 2021 आप सभी के लिये एक समस्याओं से रहित व सुख सुविधाओं से परिपूर्ण रहेगा व आने वाले वर्ष के पर्व हम एक साथ एक परिवार कि भांति मनाये व शिविर एवं साधनात्मक दिवस में व्यक्तिगत रूप से मिलकर एक दूसरे के साझा हो।

आपका अपना
विनीत श्रीमाली